यह निरीक्षण प्रतिवेदन कार्यालय अधीक्षण अ भयंता, संचाई कार्य (पुनर्वास) मण्डल, ऋ षकेश द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार कया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध करायी गयी कसी त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरी सूचना के लए कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय अधीक्षण अ भयंता, संचाई कार्य (पुनर्वास) मण्डल, ऋ षकेश के माह मई 2013 से दिसम्बर 2017 तक के लेखा अ भलेखों पर निरीक्षण प्रतिवेदन जो श्री रामबीर संह तथा श्री अक्षय कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अ धकारियों एवं श्री हरि ओम, वरिष्ठ लेखापरीक्षक द्वारा दिनांक 25 जनवरी 2018 से 31 जनवरी 2018 तक श्री एस.के.त्यागी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी के पूर्णका लक पर्यवेक्षण में सम्पादित कया गया।

भाग-I

परिचयात्मकः इकाई की प्रथम लेखापरीक्षा।

वर्तमान लेखापरीक्षा में माह 05/2013 से 12/2017 तक के लेखा भलेखों की सामान्यतया जांच की गयी।

1. (i) इकाई के क्रयाकलाप एवं भौगो लक अ धकार क्षेत्रः

क्रयाकलापः- अधीनस्थ खंडो के अंतर्गत निर्माण कार्यो का निरीक्षण/अनुश्रवण एवं प्रशासनिक नियंत्रण कया जाना।

भौगो लक अ धकार क्षेत्रः-अवस्थापना (पुनर्वास) खंड नई टिहरी, ऋ षकेश एवं पी.एम.जी.एस.वाई. सचाई खंड चन्यंलीसौड से संबन्धित समस्त क्षेत्र।

(ii) (अ) वगत तीन वर्षों में बजट आबंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैः

(` लाख में)

वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		स्थापना		गैर स्थापना		आ ध क्य (+)`	बचत (-) `
	स्थापना `	गैर स्थापना `	आवंटन `	व्यय `	आवंटन `	व्यय `		
2013-14	--	--	10044871	9154839	--	--	--	890032
2014-15	--	--	11363000	10503031	--	--	--	859969
2015-16	--	--	11423000	10814584	--	--	--	608416
2016-17	--	--	11965500	10658778	--	--	--	1306722
2017-18 (दिसम्बर 2017 तक)	--	--	11672500	9053859	--	--	--	--

(ब) केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त नि ध एवं व्यय ववरण निम्नवत हैः

वर्ष	योजना का नाम	प्रारम्भिक अवशेष	प्राप्ति	व्यय	आ धक्य	बचत
2014-15	शून्य					
2015-16						
2016-17						
2017-18						

(iii) इकाई को बजट आवंटन उत्तराखंड शासन द्वारा कया जाता है। स्थापना व्यय को सम्मि लत न करते हुए इकाई ब श्रेणी की है।

स चव संचाई वभाग, उत्तराखंड

⇩

प्रमुख अ भयन्ता एवं वभागाध्यक्ष, संचाई वभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून

⇩

मुख्य अ भयन्ता,स्तर-II, हरिद्वार

⇩

अधीक्षण अ भयन्ता, संचाई कार्य(पुनर्वास) मण्डल ऋ षकेश

(iv) लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा व धः लेखापरीक्षा में कार्यालय अधीक्षण अ भयंता, संचाई कार्य (पुनर्वास) मण्डल, ऋ षकेश के माह मई 2013 से दिसम्बर 2017 तक कए गए लेन-देन की लेखा परीक्षा की गयी थी और अ धक व्यय वाले माह तथा अ धक व्यय वाले पूर्ण कए गए कार्यो को आच्छादित कया गया। आहरण एवं वतरण अ धकारी के निरीक्षण प्रतिवेदन जारी कये जा रहे है। यह निरीक्षण प्रतिवेदन कार्यालय अधीक्षण अ भयंता, संचाई कार्य (पुनर्वास) मण्डल, ऋ षकेश की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है। माह अगस्त 2016 एवं अप्रैल 2014 को वस्तृत जांच हेतु चयनित कया गया तथा ..... का चयन वस्तृत वश्लेषण हेतु कया गया। प्रतिचयन ..... के आधार पर कया गया।

(v) लेखापरीक्षा भारत के सं वधान के अनुच्छेद 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्ते) अ धनियम, 1971 (डी पी सी

एक्ट, 1971) की धारा 13, लेखा तथा लेखापरीक्षा वनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

2. खण्ड के उचन्त लेखों के अवशेष माह जनवरी 2018 के अन्त में

(क)	प्रकीर्ण निर्माण अ ग्रम	` शून्य
(ख)	सामग्री क्रय	` शून्य
(ग)	नगद परिशोधन	शून्य
(घ)	निक्षेप	` शून्य
(ङ)	भण्डार	` शून्य

भाग दो 'अ'

-शून्य-

भाग दो 'ब'

प्रस्तर **1:** भू म की उपलब्धता सुनिश्चित कये बिना टिहरी बांध वस्था पतों को 30.85 हैक्टेयर भू म का अ धक आवंटन ।

सामान्यतः भू- वक्रय व भू-आवंटन का अ धकारी भू-स्वा मत्व के अ धकार की अवधारणा के अन्तर्गत निहित है।

अधीक्षण अ भयन्ता, अवस्थापना मण्डल (पुनर्वास) ऋ षकेश के अ भलेखों की जांच के दौरान संज्ञान में आया क उत्तर प्रदेश संचाई वभाग के उत्तरी खण्ड गंगा नहर, रूड़की द्वारा टी.एच.डी.सी. को शवा लक नगर पुनर्वास स्थल हेतु वर्ष 1986-87 में 86.00 एकड़ भू म उपलब्ध करायी थी। यह भू म उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 99 वर्षों के लए पट्टे पर आवंटित की गयी थी जिसे अक्टूबर 2004 में उत्तराखण्ड शासन द्वारा असंक्रमणीय भू मधर (Non 2-a) से संक्रमणीय भू मधर (2-a) की श्रेणी में परिवर्तन कर टिहरी बांध परियोजना के पुनर्वास हेतु परिवर्तन के आदेश पारित कये थे। शवा लक नगर के उक्त 86 एकड़ क्षेत्रफल के पुनर्वास स्थल के अतिरिक्त, पुनर्वास निदेशालय द्वारा वर्ष 2008-09 में 10.54 एकड़ (9.50 एकड़ कृ ष भूखण्ड व 1.04 एकड़ आवासीय भू-खण्ड), वर्ष 2010-11 में बिना स्वीकृत मान चत्र के लाटरी द्वारा 9.54 एकड़ (8.50 एकड़ कृ ष भू-खण्ड व 1.04 एकड़ आवासीय भू-खण्ड), वर्ष 2012-13 में बिना स्वीकृत मान चत्र के 5.04 एकड़ (4.50 एकड़ कृ ष भू-खण्ड व 0.54 एकड़ आवासीय भू-खण्ड) भू म टिहरी बांध वस्था पतों को आवंटित की गयी थी जिस पर कब्जा दिया जाना शेष था। 1.73 एकड़ अतिरिक्त भू म (प्राप्त भू म 86 एकड़ एवं आवंटित भू म 87.73 एकड़ का अन्तर) वस्था पतों को भू मधरी अ धकार दिये जाने के फलस्वरूप थी क्यों क भू मधरी अ धकार राजस्व वभाग, हरिद्वार द्वारा प्रदान कये गये थे। इस प्रकार, निदेशालय द्वारा कुल उपलब्ध भू म 86 एकड़ के सापेक्ष 116.85 एकड़ भू म वस्था पतों को आवंटित की गयी थी जिसके फलस्वरूप आवंटित व्यक्तियों को भू मधरी अ धकार नहीं दिये जा सके थे।

उक्त के संबंध में इं गत कये जाने पर वभाग द्वारा अवगत कराया गया क अ धक भू म आवंटन से संबं धत प्रस्तर स्वीकृति हेतु शासन को भेजे जाने की कार्यवाही गतिमान है।

उत्तर सम्प्रेक्षा को मान्य नहीं था क्यों क उपलब्ध भू म से अ धक का आवंटन न्यायो चत नहीं है। जहां तक शासन से स्वीकृति प्राप्त करने का प्रश्न है, स्वीकृति आवंटन के पूर्व प्राप्त की जानी चाहिए थी।

अतः प्रकरण शासन के संज्ञान के लाया जाता है।

भाग-III

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण

क्र0सं0	लेखापरीक्षा निरीक्षण प्रतिवेदन सं0/वर्ष	अनिस्तारित कण्डिकाएं	
		भाग दो 'अ'	भाग दो 'ब'
शून्य			

Note:- Kindly check the details of outstanding paras from headquarters' record.

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्याः

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
इकाई की प्रथम लेखापरीक्षा				

भाग-IV

इकाई के सर्वोत्तम कार्य:- ऐसा कोई कार्य अवलो कत नहीं हुआ था।

भाग-V

आभार

1. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अव ध में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अ भलेख एवं सूचनांए उपलब्ध कराने हेतु कार्यालय अधीक्षण अ भयंता, संचाई कार्य (पुनर्वास) मण्डल, ऋ षकेश तथा उनके अ धकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है।
2. अप्रस्तुत अ भलेख: शून्य
3. सतत् अनिय मतताएः शून्य
4. लेखापरीक्षा अव ध में निम्न ल खत अ धशासी अ भयन्ताओ द्वारा खण्ड का कार्यभार वहन कया गया

क्रम सं0	नाम	पदनाम	
1.	श्री आर.आर. भट्ट	अधीक्षण अ भयन्ता	दिनांक 01/06/2010 से 31/08/2016 तक
2.	श्री मोहन चन्द्र पाण्डेय	अधीक्षण अ भयन्ता	दिनांक 31/08/2016 (A/N) से वर्तमान तक

लघु एवं प्र क्रयात्मक अनिय मतताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मि लत कर एक प्रति कार्यालय कार्यालय अधीक्षण अ भयंता, संचाई कार्य (पुनर्वास) मण्डल, ऋ षकेश को इस आशय से प्रे षत है क अनुपालन आख्या पत्र प्राप्ति के एक माह के अन्दर सीधे वरिष्ठ उप महालेखाकार आ र्थक क्षेत्र-2 कार्यालय महालेखाकार(लेखापरीक्षा) उत्तराखंड,कार्यालय सह आवासीय परिसर, पोस्ट ऑ फस-कौलागढ़, देहरादून को प्रे षत कर दी जांय।

व.लेखापरीक्षा अ धकारी
आ र्थक क्षेत्र-2